सांध्य दैनिक 4PM

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 270 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 7 नवम्बर, 2023

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

अगर आप किसी की हेल्प कर रहे हैं और बदले में कुछ वापस चाह रहे हैं तो आप बिजनेस कर रहे हैं काइंडनेस नहीं।

-ब्रह्माकुमारी शिवानी

क्रिकेट के इतिहास में पहली बार... 7 | पुराने दिग्गजों के सहारे पार करेंगे... 3 | बिना सपा के चुनाव जीतकर दिखाए... 2

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों का आगाज

छत्तीसगढ़ और मिजोरम में हुआ मतदान

मिजोरम में दोपहर 3 बजे तक हुआ बंपर 69.87% मतदान

छत्तीसगढ़ में पहले चरण में 20 सीटों पर दोपहर 3 बजे तक हुई 58.85% वोटिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों का आगाज आज से हो गया। पांच में से दो राज्यों मिजोरम और छत्तीसगढ़ में आज वोटिंग हुई। मिजोरम की सभी 40 सीटों पर आज मतदान किया गया। जबकि छत्तीसगढ़ की कुल 90 सीटों में से सिर्फ 20 सीटों पर आज मतदान हुआ। दोपहर 3 बजे तक के आंकड़ों के मुताबिक, मिजोरम में रिकॉर्ड मतदान हुआ है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार मिजोरम में 3 बजे तक 69.87 फीसदी मतदान हुआ है। तो वहीं छत्तीसगढ़ में दोपहर 3 बजे तक 58.85 फीसदी वोटिंग हुई। मिजोरम में तो मतदान शांतिपूर्वक हुआ, लेकिन छत्तीसगढ़ में मतदान के दौरान कुछ एक इलाकों में हल्की-फुल्की झड़प भी देखने को मिली।

छत्तीसगढ़ की हॉट सीट कोंडागांव विधानसभा सीट पर 1 बजे तक 54.04 फीसदी वोटिंग हुई है। प्रदेश सरकार में एससी-एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहन मरकाम कोंडागांव विधानसभा सीट से उम्मीदवार हैं। उनका मुकाबला बीजेपी की लता उसेंडी से होगा। वहीं छत्तीसगढ़ के तीन बार सीएम रहे डॉ. रमन सिंह की राजनंदगांव विधानसभा सीट पर 1 बजे तक केवल 38 फीसदी ही वोटिंग हुई है।

सुकमा और कांकेर में हुई मुठभेड़

वोटिंग के दौरान छत्तीसगढ़ में सुकमा और कांकेर में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ होने की भी खबर सामने आई है। बता दें कि एक तरफ जब सुकमा में वोटिंग चल रही थी, तो दोपहर 1 बजे करीब पदेड़ा के दक्षिण में पुलिस और माओवादियों की बीच मुठभेड़ हो गई। मतदान दिवस को एरिया डॉमिनेशन ड्यूटी पर निकली केंद्रीय रिजर्व पुलिस की 85वीं वाहिनी एवं माओवादियों के बीच यह मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ लगभग 5-10 मिनट चली, माओवादियों को 2-3 शव उठाकर भागते हुए देखा गया मौके पर खून के धब्बे एवं घसीटे जाने के चिन्ह भी मिले। सभी जवान सुरक्षित हैं औरआसपास सर्चिंग अभियान जारी है।

छत्तीसगढ़ के पहले चरण में 223 उम्मीदवार मैदान में

कई नक्सल प्रभावित इलाकों में भी वोटिंग होने के कारण चुनाव आयोग ने वहां 60 हजार सुरक्षा बलों की तैनाती की है। चुनाव संपन्न कराने के लिए 25,429 कर्मचारियों को लगाया गया है। जिन 20 सीटों पर आज मतदान होना है, उनमें से 19 पर कांग्रेस का कब्जा है। पार्टी ने इन 19 में से दो सीटें उपचुनाव में जीती थीं। छत्तीसगढ़ में पहले चरण के चुनाव में 223 उम्मीदवार मैदान में है, जिनमें से 25 महिलाएं हैं। इस चरण में राज्य के 40 लाख 78 हजार 681 मतदाता वोट डालेंगे। इनमें 19 लाख 93 हजार 937 पुरुष और 20 लाख 84 हजार 675 महिलाएं हैं। इसके अलावा 69 थर्ड जेंडर भी मतदान करने वाले हैं। मतदान संपन्न कराने के लिए पहले चरण में 5,304 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 25 हजार से ज्यादा चुनान कर्मचारी तैनात रहेंगे। इन 5,304 मतदान केंद्रों में से 2,431 में वेब कास्टिंग सुविधा रहेगी।

मिजोरम में भाजपा से नहीं कोई गठबंधन : सीएम जोरामथांगा

मिजो नेशनल फ्रंट के (एमएनएफ) अध्यक्ष और मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरामथांगा ने विश्वास जताया कि उनकी पार्टी सत्ता विरोधी लहर को मात देकर फिर एकबार राज्य में सरकार बनाने में सक्षम होगी। जाहिर है कि एमएनएफ केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए का हिस्सा है, लेकिन मिजोरम में यह पार्टी किसी गठबंधन में नहीं है। सीएम जोरामथांगा ने एमएनएफ के पूर्ण बहुमत पाने में पीछे रह जाने पर भगवा पार्टी के साथ गठबंधन को लेकर किए गए सवाल पर कहा कि मिजोरम में त्रिशंकु विधानसभा नहीं होगी। यहां एमएनएफ की सरकार होगी, मुझे इसपर पूरा भरोसा है। यहां भाजपा गठबंधन में नहीं है। एनडीए केंद्र में हैं, लेकिन मिजोरम में भाजपा या किसी अन्य पार्टी के साथ कोई गठबंधन नहीं है।

मिजोरम में कुल 8,51,895 लाख हैं मतदाता

वहीं मिजोरम में आज 40 सीटों पर मतदान किया जा रहा है। इन सभी 40 सीटों पर 174 उम्मीदवार अपना भाग्य आजमा रहे हैं, जिसमें 16 महिलाएं भी हैं। बता दें कि कि राज्य में कुल 8,51,895 लाख मतदाता हैं। वहीं, कुल मतदान केंद्रों की संख्या 1,276 है। मिजोरम में 1,276 मतदान केंद्रों में से 149 सुदूर मतदान केंद्र हैं, जबकि अंतरराज्यीय एवं अंतरराष्ट्रीय सीमा के आसपास के करीब 30 मतदान केंद्रों को संवेदनशील घोषित किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं और स्वतंत्र, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए राज्य भर में 7,200 कर्मियों को तैनात किया गया है।

बिना सपा के चुनाव जीतकर दिखाए कांग्रेस

» जयंत बोले- सहयोगी दलों को साथ लेकर चले कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अखिलेश यादव का दावा- एमपी में पहले से ज्यादा सीटें जीतेगी सपा

कटनी, मध्य प्रदेश। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए बना विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन लगता है, चुनाव से पहले ही अधर में लटक गया है। बीच में मध्य प्रदेश और राजस्थान समेत पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव आ जाने के कारण इंडिया गठबंधन में दरार पड़ती नजर आ रही है। क्योंकि गठबंधन के कई दलों के बीच लगातार असंतोष बना हुआ है। इनमें सबसे ज्यादा तनातनी देखने को मिल रही है गठबंधन के दो प्रमुख घटक कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच। दोनों की ओर से आए दिन एक-दूसरे पर हमला बोला जा रहा है। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव में सपा के प्रत्याशियों के सामने कांग्रेस की ओर से प्रत्याशी उतारे जाने पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव अब मुखर नजर आ रहे हैं और मध्य प्रदेश में चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस पर निशाना साधते दिख रहे हैं।

इस दौरान मध्य प्रदेश के कटनी में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए सपा चीफ ने एक बार फिर कांग्रेस पर निशाना साधा। कटनी जिले की बहोरी बन्द विधानसभा में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी शंकर लाल महतो के समर्थन में आयोजित जनसभा में बोलते हुए अखिलेश ने लोगों से समाजवादी पार्टी का समर्थन करने की मांग की। इस दौरान उन्होंने भाजपा के साथ-साथ कांग्रेस पर भी हमला किया और कहा कि कांग्रेस ने उन्हें बहुत घुमाया है और इस बार वह पहले से भी ज्यादा विधानसभा सीटें मध्य प्रदेश में जीतेंगे और कांग्रेस उनके चक्कर काटेगी। अखिलेश यादव ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए उसे खुला चैलेंज देते हुए कहा कि कांग्रेस मध्य प्रदेश में समाजवादी पार्टी के बिना सरकार बनाकर दिखाए।

इसके अलावा मध्य प्रदेश की दमोह विधानसभा में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी दृगपाल सिंह लोधी के समर्थन में आयोजित जनसभा में अखिलेश ने कहा कि ऐसा भी समय रहा जब समाजवादी पार्टी के 8-8 विधायक यहां से जीते हैं। कोई चुनाव ऐसा नहीं गया जिसमें सपा ने खाता न खोला हो। इसलिए इस बार फिर मैं आप लोगों से निवेदन और अपील करने आया हूं कि समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी दृगपाल सिंह लोधी को एक-एक वोट देकर के जिताकर विधानसभा में पहुंचाएं।

देश को नई विचारधारा की जरूरत

सपा प्रमुख ने बीजेपी और कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि दो लोगों के बीच में राजनीति चल रही है। कभी बीजेपी, कभी कांग्रेस, कभी कांग्रेस, कभी बीजेपी। मैं आप लोगों से कहना चाहता हूं जिन-जिन प्रदेशों में किसानों, गरीबों, पिछड़े, दलित और आदिवासियों की ताकत एक हो गई वहां भारतीय जनता पार्टी का और कांग्रेस का सफाया हो गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश को नई विचारधारा की जरूरत है, नए दल की जरूरत है, नए गठबंधन की जरूरत है और हमें उम्मीद है कि हमारी जनता का पीडीए का गठबंधन बनेगा और एनडीए भी हारेगा और कांग्रेस भी हारेगी।

अखिलेश को मिला जयंत का साथ

इस बीच अखिलेश यादव को अब राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी का भी समर्थन मिला है। संभल में हुए किसान-कमेरा सम्मेलन में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए जयंत चौधरी ने मीडिया से बातचीत के दौरान मध्य प्रदेश विधानसभा में समाजवादी पार्टी को कांग्रेस की ओर से दरकिनार करने और उनके प्रत्याशियों के सामने अपने प्रत्याशी उतारने पर अपना पक्ष रखा। इस दौरान कांग्रेस के खिलाफ अखिलेश की बयानबाजी को लेकर आरएलडी चीफ सपा प्रमुख के लिए नरम पड़ते नजर आए। जयंत का कहना है कि अब यह उनको (अखिलेश यादव) मालूम है कि किन परिस्थितियों में उन्होंने ऐसा कहा है। बात तो नाराजगी की है। कांग्रेस जिस राज्य में बड़ी पार्टी है, यह जिम्मेदारी कांग्रेस की बनती है कि जो सहयोगी दल हैं उन्हें साथ लेकर चले। इंडिया गठबंधन में तकरार के सवाल पर जयंत चौधरी ने कहा कि मुझे लगता है कि अखिलेश ने ऐसा मध्य प्रदेश के संदर्भ में कहा है, जहां गठबंधन नहीं हो सका। फिलहाल वह लगातार कह रहे हैं कि हम इंडिया गठबंधन के साथ हैं।

नीतीश की उम्र हो गई है, वो कुछ भी बोल रहे हैं : प्रशांत किशोर

» पीके बोले- सामाजिक-राजनीतिक तौर पर अकेले पड़ गए हैं सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मधुबनी। बिहार में इस समय सियासत काफी गर्म है। इस बीच चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए अपने सवालों के जवाब मांगे हैं। नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए पीके ने कहा कि अगर मुझे किसी बात का ज्ञान नहीं है, तो आपने (नीतीश कुमार) मुझे दो साल तक अपना एडवाइजर बनाकर अपने घर में क्यों रखा था?

जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने अपने ऊपर कांग्रेस और बीजेपी का एजेंट बनाए जाने पर भी हमला बोलते हुए कहा कि नीतीश कुमार की उम्र हो गई है। वो आदमी बोलना कुछ शुरू करते हैं और बोल कुछ और जाते हैं। उम्र का असर दिख रहा है। सामाजिक-राजनीतिक तौर पर अकेले पड़ गए हैं, उन्हें घबराहट होती है। जब परिस्थिति आपके अनुकूल न हो तो हर आदमी को डर-घबराहट होती है।

बघेल अगर भाजपा में चले जाएं तो मिल जाएगी क्लीन चिट : ठाकरे

» महादेव ऐप मामले में उद्धव ने कसा भाजपा पर तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की सियासत में इस समय महादेव सट्टेबाजी ऐप को लेकर चर्चा काफी जोरों पर है। इसी विषय पर अब शिवसेना यूबीटी के मुखिया और महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने भी अपनी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा पर तंज कसा है। ठाकरे ने कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अगर भाजपा में शामिल होते हैं, तो इस मामले में उन्हें क्लीन चिट दे दी जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि बघेल के भाजपा में शामिल होने के बाद ये महादेव ऐप भी हर हर महादेव ऐप में बदल जाएगा।

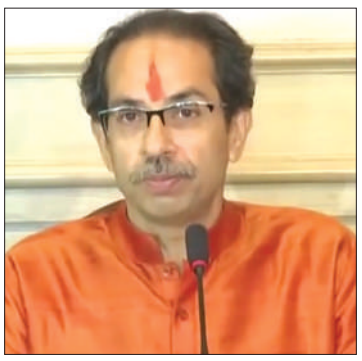

उद्धव ठाकरे ने कहा कि छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल भाजपा में शामिल नहीं होंगे, लेकिन अगर वो शामिल होते हैं तो ये महादेव ऐप हर हर महादेव ऐप में बदल जाएगा। उनके ऊपर लगे सभी न्यायिक मामले सुलझ जाएंगे।

भूपेश ने आरोपों को बताया राजनीतिक षड्यंत्र

महादेव सट्टेबाजी ऐप विवाद फिलहाल एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है। यह मुद्दा प्रकाश में तब आया जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक संदिग्ध के बयान का हवाला देते हुए छत्तीसगढ़ के सीएम बघेल पर ऐप प्रचारकों से 508 करोड़ रुपये लेने का आरोप लगाया था। ईडी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि ये (दावे) जांच का विषय है। हालांकि, बघेल ने इन आरोपों को राजनीतिक षड्यंत्र करार देते हुए खारिज कर दिया था। उन्होंने भाजपा पर ईडी, सीबीआई जैसे केंद्रीय एजेंसियों के माध्यम से छत्तीसगढ़ में चुनाव जीतने की कोशिश करने का आरोप लगाया। छत्तीसगढ़ के सीएम ने कहा कि चुनाव से पहले मेरी छवी खराब करने के लिए ईडी द्वारा उठाया गया बहुत ही दुर्भावनापूर्ण कदम है। ईडी ने कहा कि संदिग्ध का बयान जांच का विषय है। हालांकि, अगर जांच नहीं हुआ तो एक व्यक्ति के बयान पर प्रेस विज्ञप्ति जारी करने की क्या जल्दी है? यह ईडी और केंद्र के गलत मंशा को दर्शाता है।

भाजपा-कांग्रेस पूंजीपतियों की पार्टी : मायावती

» मप्र विधानसभा चुनाव में बसपा सुप्रीमो ने भरी हुंकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अशोक नगर, मध्य प्रदेश। चुनावी मौसम में मध्य प्रदेश का सियासी पारा काफी हाई है। बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही पार्टियां अपना दमखम लगाने में जुटी हैं। इसके अलावा सपा और बसपा भी एमपी के चुनाव में अपनी ताल ठोंक रहे हैं। इसी क्रम में बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने लोगों से कहा कि वे जाति आधारित गणना की कांग्रेस की मांग के झांसे में नहीं आएं। बसपा प्रमुख ने मध्य प्रदेश के अशोक नगर में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस ने संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर को भारत रत्न देने में भी देरी की थी।

मायावती ने आगे कहा कि आजादी के बाद कांग्रेस शासन में काका कालेलकर आयोग और मंडल आयोग ने अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण की सिफारिश की थी, लेकिन कांग्रेस ने कुछ नहीं किया। चुनाव करीब आने पर कांग्रेस जाति आधारित जनगणना की बात कर रही है। मायावती ने कहा कि बीजेपी ने दलितों और आदिवासियों का शोषण किया है।

एमपी के बहाने 2024 को साध रही बसपा

मायावती ने भाजपा व कांग्रेस पर लगातार हमला किया। उन्होंने मंच से यूपी की तर्ज पर एमपी में भी बसपा की सरकार बनाने की अपील की। मायावती के सुर को देखकर कहा जा सकता है कि कहीं न कहीं मायावती विधानसभा चुनाव के साथ-साथ 2024 लोकसभा चुनावी की तैयारी में भी लग चुकी हैं और अब उन्होंने विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधना चालू कर दिया हैं। कांग्रेस और भाजपा लेकर जिस तरह से मंच से यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री ने इन बड़े दलों पर निशाना साधा है, वह 2023 के साथ-साथ 2024 कि तैयारी को लेकर देखा जा रहा हैं। क्योंकि जाहिर है कि बसपा पिछले लंबे वक्त से अपने सबसे बुरे सियासी दौर से गुजर रही है। ऐसे में अब बसपा मध्य प्रदेश के चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करके 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले खुद को खड़ा करना चाह रही है।

बीजेपी-कांग्रेस ने आरक्षण खत्म करने का किया काम

वहीं बीजेपी और कांग्रेस दोनों को पूंजीपतियों और धन्ना सेठों की पार्टी बताते हुए मायावती ने कहा कि मध्य प्रदेश की अब तक की सरकारों ने लोगों के लिए कोई काम नहीं किया और न ही दलितों पर कोई ध्यान दिया। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस और भाजपा की सरकारों ने आरक्षण को खत्म करने का काम ही किया है। भाजपा पर तंज कसते हुए बसपा प्रमुख ने कहा कि हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का विधेयक लाया गया, लेकिन उसमें ऐसी कोई व्यवस्था लागू नहीं की गई, जिससे महिलाओं का हित हो पाए।

पुराने दिग्गजों के सहारे पार करेंगे चुनावी समर

कांग्रेस व भाजपा के लिए विस चुनाव नाक की लड़ाई

» वसुंधरा और गहलोत, दिग्विजय, कमलनाथ पर भरोसा

» नेताओं की भगदड़ शुरू, दल बदलने लगे नेता

» राजे के सहारे भाजपा पार करेगी राजस्थान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव 2024 लोकसभा चुनाव के लिए सियासी पार्टियों के लिए लिटमस टेस्ट की तरह होगा। सबसे जरूरी यह चुनाव सतापक्ष व विपक्ष को अपना आंकलन करने का पैरामीटर भी होगा। जिस भी पार्टी को इन चुनावों में ज्यादा सीटें मिलेंगी ऐसा माना जाएगा की वह लोक सभा चुनाव में उतनी मजबूती से उभर सकती है। ये चुनाव कांग्रेस व भाजपा के बीच नाक की लड़ाई भी है। जहां 14 व 19 की अपेक्षा मोदी मैजिक के कम प्रभाव की चुनौती के बीच बीजेपी मैदान में उतरेगी तो कांग्रेस अपने सबसे बड़े नेता राहुल गांधी को करियर की ऊंचाई देने के लिए जन-जन तक जाएगी। इसी सबके मद्देनजर पार्टियों ने छोटे-छोटे दलों व नेताओं को अपने पाले मे करने की कवायद में दिनरात कर दिया है। कई नेता दलबदल करके एक दूसरे का दामन थाम रहे हैं। इसी के साथ रुठे हुये नेताओं को अपनी ओर जोड़ने की भी माथापच्ची भी शुरू हो गयी है। उधर चाहे भाजपा हो या कांग्रेस सभी अपने पुराने नेताओं पर फिर से दांव लगा रहे हैं। लंबे समय तक ऐसा लगता रहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं सचिन पायलट के बीच अंदरूनी कलह का फायदा उठाकर भाजपा राजस्थान में भी वही कहानी दोहराने वाली है। पर लगता है कि गांधी परिवार और केंद्रीय कांग्रेस नेतृत्व, दोनों ने अपनी पिछली गलतियों से कड़वा सबक सीखा है। मिलनसार एवं राजनीतिक रूप से चतुर मल्लिकार्जुन खरगे जैसे पुराने योद्धा को पार्टी अध्यक्ष बनाने से बड़ा फर्क आया है।

ऐसा प्रतीत होता है कि राजस्थान में वसुंधरा राजे ने एक शानदार वापसी की है। सितंबर के अंत में जो वसुंधरा राजे हाशिए पर दिखाई दे रही थीं, उनकी स्थिति में नवंबर की शुरुआत में, भारी बदलाव आया और राजे की मजबूत वापसी अब राजस्थान में चुनावी लड़ाई के सबसे चर्चित पहलुओं में से एक है। राजस्थान में टिकटों की उलझनें आखिरकार खत्म हो गया है। कांग्रेस में अशोक गहलोत और भाजपा में वसुंधरा राजे पर सबकी नजर है। सबकी नजर इस बात पर है कि आलाकमान की ओर से किसके करीबी को ज्यादा टिकट दिया गया है। करिश्मा, जन अपील और जमीनी स्तर पर जुड़ाव के मामले में भाजपा के सबसे बड़े नेता होने के बावजूद, राजे को 2018 का चुनाव हारने के बाद से ही भगवा ब्रिगेड द्वारा किनारे कर दिया गया था। लगातार नजरअंदाज की गईं राजे राजनीतिक तौर पर गुमनामी के कगार पर नजर आ गई थीं। जब भाजपा उम्मीदवारों की पहली सूची सामने आई और उसमें उनके पसंदीदा उम्मीदवारों में से किसी को भी शामिल नहीं किया गया, तो इसने एक बड़ी चर्चा शुरू कर दी कि राजे को निर्णायक रूप से दरकिनार किया जा रहा है। सात सांसदों को मैदान में उतारने और कई राजे वफादारों को टिकट देने से इनकार कर दिया गया, इससे यह धारणा बन गई कि राजे को अंतत: पार्टी द्वारा किनारे कर दिया गया है। लेकिन भाजपा की दूसरी सूची में उनके लगभग 30 वफादारों को जगह दी गई और वसुंधरा को उनकी पारंपरिक सीट झालरापाटन आवंटित की गई। बाद की सूचियों में भी, बड़ी संख्या में उनके वफादारों को टिकट मिला, जिसके बारे में कहा जाता है कि राजस्थान में भाजपा के 200 उम्मीदवारों में से पांच दर्जन से अधिक राजे खेमे से हैं। हालांकि, पूर्व मंत्री युनूस खान, अशोक परनामी, राजपाल सिंह शेखावत और अशोक लाहोटी को बीजेपी ने टिकट इस बार नहीं दिया है। ये सभी वसुंधरा राजे के राइट हैंड माने जाते रहे हैं। यह वसुंधरा राजे के लिए सियासी तौर पर यह बड़ा झटका है। पार्टी ने वसुंधरा राजे को उनकी परंपरागत सीट से प्रत्याशी बनाया है, लेकिन मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित नहीं किया है। इसको लेकर भी चर्चा जारी है।

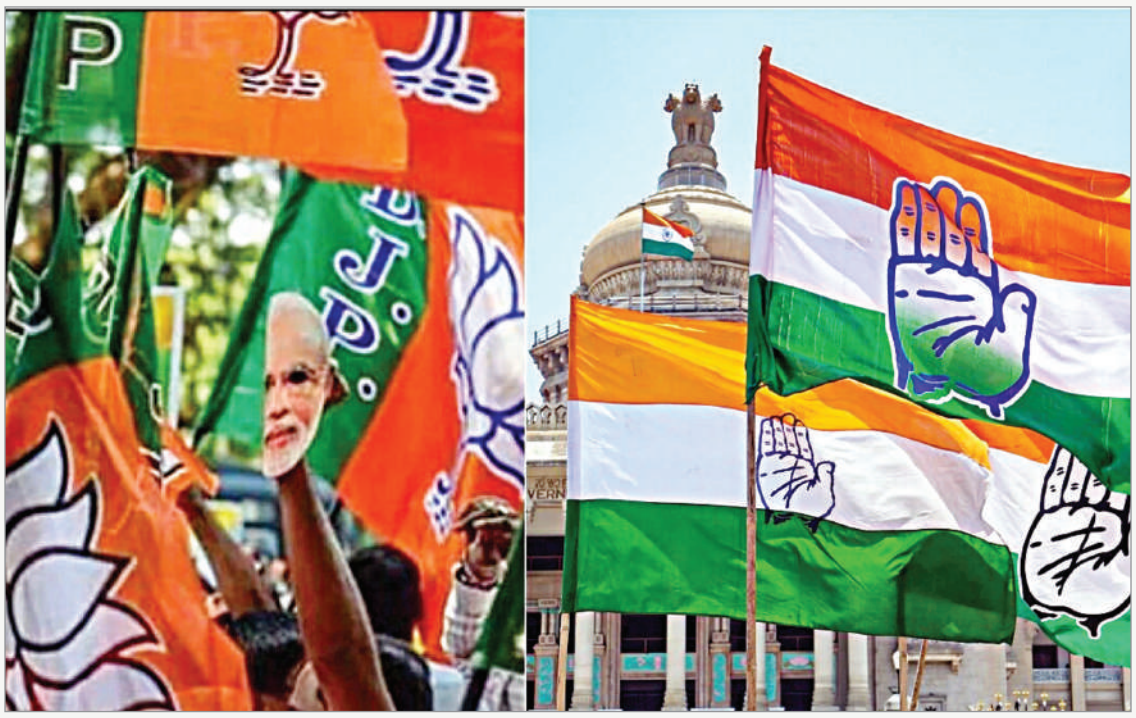

गहलोत ने सदरपुरा से दाखिल किया नामांकन

राजनीतिक दलों को चुनावी मौसम में सभी को साथ लेकर चलने की आवश्यकता होती है। खासकर के पार्टियां यह भी देखतीं हैं कि उनके गुड बुक में कौन से नेता है और कौन जरूरत के समय उनके साथ खड़ा रह सकता है। यही कारण है कि पार्टी से ज्यादा किसी एक नेता को प्रधानता देने वाले उम्मीदवारों को कई बार बेटिकट रहना पड़ जाता है। यही तो प्रजातंत्र है।

कांग्रेस के खेवनहार अशोक गहलोत

राजस्थान में अगर बात कांग्रेस के अशोक गहलोत की करें तो वह अपने करीबियों को टिकट दिलवाने में उतरे कामयाब नहीं हुए। भले ही मंत्री शांति धारीवाल को तमाम विरोधियों के बावजूद टिकट मिल गया है लेकिन अशोक गहलोत के करीबी महेश जोशी और राजेंद्र राठौड़ जैसे मजबूत नेताओं को उम्मीदवार पार्टी ने नहीं बनाया है। यह दोनों वही नेता है जिन्होंने गहलोत की कुर्सी बचाने के लिए कांग्रेस हाई कमान के आदेशों को चुनौती दी थी। इसके अलावा गहलोत के विशेषाधिकारी लोकेश शर्मा को भी टिकट नहीं दिया गया है जबकि लालचंद कटारिया के चुनाव लड़ने से इनकार के बाद पायलट के करीबी अभिषेक चौधरी चुनावी मैदान में है। अशोक तंवर को भी गहलोत ने टिकट देने की बात कही थी लेकिन पार्टी ने उनकी इस बात को नहीं माना है। साथ ही साथ गहलोत के करीबी राजीव अरोड़ा भी टिकट के दावेदार थे इसको भी पार्टी ने स्वीकार नहीं किया है। सूर्यकांता व्यास बीजेपी से कांग्रेस में आए और गहलोत ने उन्हें टिकट देने की बात कही थी लेकिन ऐसा नहीं हो सका। कांग्रेस ने कहीं ना कहीं पायलट और उनके करीबी नेताओं को भी महत्व दिया है। जब वेद प्रकाश सोलंकी को टिकट दिया गया तो उससे साफ हो गया कि पायलट को भी अहमियत कांग्रेस की ओर से दी जा रही है।

नेताजी के बाद सपा में जनता की आवाज उठाने वालों की जगह नहीं : रवि वर्मा

सपा के महासचिव व पूर्व सांसद रवि प्रकाश वर्मा सोमवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। उन्हें कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने पार्टी की सदस्यता दिलाई। उनके साथ ही उनकी बेटी डॉ. पूर्वी वर्मा भी कांग्रेसी हो गईं। रवि वर्मा ने कहा कि अब सपा समाजवाद के सिद्धांत से भटक गई है। वहां पूंजीवादी व्यवस्था हावी है। उन्होंने कहा कि हम सबने कठिन परिश्रम करके साइकिल के निशान को प्रदेश के कोने-कोने में पहुंचाया है पर अब सपा में काम करना मुश्किल हो रहा है। नेताजी मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद सपा में मेहनती और जनता की आवाज उठाने वालों के लिए जगह नहीं है इसलिए अब सपा से इस्तीफा दे दिया है और कांग्रेस में शामिल हुए हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि हम सभी का दिल से स्वागत करते हैं। कांग्रेस पार्टी समाज के हर तबके के हितों की रक्षा के लिए काम करती है। इसके पहले, शनिवार को पूर्व सांसद रवि वर्मा और उनकी बेटी डॉ. पूवी वर्मा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद डॉ. पूर्वी वर्मा ने एक्स पर फोटो शेयर किया। उन्होंने लिखा कि बड़ों का आशीर्वाद लेकर अब आगे बढ़ने का समय है। इस फोटो के शेयर होने के बाद उनके समर्थकों और कांग्रेसियों ने इसे स्वागत योग्य कदम बताया था।

पवन कल्याण की पार्टी ने बीजेपी के साथ आने का किया ऐलान

पांच राज्यों (राजस्थान, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और मिजोरम) में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सभी पार्टियां प्रचार प्रसार में जुटी है। इसी बीच बीजेपी नेतृत्व वाली एनडीए के लिए तेलंगाना विधानसभा चुनाव से पहले बेहद अच्छी खबर आई है। यहां बीजेपी और जन सेना पार्टी ने हाथ मिला लिया है। दक्षिण भारत के मशहूर अभिनेता पवन कल्याण जो बाद में नेता बने, उनकी पार्टी जन सेना और भाजपा अब तेलंगाना में साथ मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ेंगी। बीजेपी एमपी के. लक्ष्मण ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बीजेपी और जेएसपी के बीच सीट-बंटवारे के संबंध में घोषणा आधिकारिक तौर पर की जाएगी। बीजेपी एमपी के. लक्ष्मण ने पत्रकारों को बताया, हम राज्य (तेलंगाना) में मिलकर चुनाव लड़ेंगे। दोनों पार्टियों का लक्ष्य और आकांक्षा नरेंद्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनते देखना है। के. लक्ष्मण के मुताबिक पवन कल्याण ने स्पष्ट कर दिया है कि उनकी पार्टी संसदीय चुनाव में भी मोदी के नेतृत्व को पूर्ण समर्थन करेगी। बता दें कि कल ही केसीआर ने ये कहा था कि कुछ ही पलों में क्षेत्रीय दलों का युग आने वाला है और उसके तुरंत बाद ये खबर आ गई कि भाजपा पवन कल्याण की जन सेना पार्टी के साथ चुनाव लड़ेगी। बता दें कि 5 अक्टूबर को पवन कल्याण ने (टीडीपी) तेलुगु देशम पार्टी के हाथ मिलाने के लिए बीजेपी के अलग होने का फैसला लिया था। पवन कल्याण की पार्टी ने तब कहा था कि बिना तेलुगु देशम पार्टी को साथ लिए तेलांगना का भला नहीं हो सकता। चंद्रबाबू नायडू और पवन कल्याण के बीच का रिश्ता काफी मजबूत है। इसी को देखते हुए उन्होंने बीजेपी से अलग होने का ऐलान किया था। लेकिन अब बीजेपी और जेएसपी के बीच सबकुछ ठीक हो गया और दोनों पार्टियों ने इस महीने होने वाला विधानसभा चुनाव और अगले साल अप्रैल-मई में होने वाले लोक सभा चुनाव में साथ लड़ने का फैसला किया है॥

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बढ़ते प्रदूषण को रोकने को ठोस उपाय जरूरी

“ प्रदूषण का बढ़ना इस मौसम में स्वाभाविक प्रक्रिया है। चूंकि गर्मियों की हवा में घनत्व कम होता है और तापमान ज्यादा तो इससे प्रदूषण के कण वातावरण के ऊपरी सतह तक चले जाते हैं। सर्दियों में इसके विपरीत होता है। खास ये भी है कि धूल-धुआं, वाहनों की संख्या तो लगातार बढ़ रही है, इसलिए हर बार हालात खराब होते जा रहे हैं।

बरसात खत्म होने के बाद और ठंड शुरू होने से पहले दिल्ली समेत पूरे उत्तरी भारत में प्रदूषण का बहुत बुरा प्रभाव पिछले कुछ सालों से देखने को मिल रहा है। इसकी वजह से लोगों को सांस लेने तक में तकलीफ होने लगी है। साथ ही दृष्यता तक प्रभावित होने लगती है। सुबह से कब शाम हो जाती है पता ही नहीं चलता है। विशेषज्ञों का मानना है कि पछुआ के चलते पश्चिम से प्रदूषक तत्व पूरब की ओर बढ़े हैं। प्रदूषण का बढ़ना इस मौसम में स्वाभाविक प्रक्रिया है। चूंकि गर्मियों की हवा में घनत्व कम होता है और तापमान ज्यादा तो इससे प्रदूषण के कण वातावरण के ऊपरी सतह तक चले जाते हैं। सर्दियों में इसके विपरीत होता है। खास ये भी है कि धूल-धुआं, वाहनों की संख्या तो लगातार बढ़ रही है, इसलिए हर बार हालात खराब होते जा रहे हैं। उधर इन समस्याओं से निजा पाने के लिए राज्य सरकारें व केंद्र कोई न कोई योजना बनाते है ताकि आमजन को परेशानी न उठाना पड़े। इसी क्रम में दिल्ली सरकार ने बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए ऑड ईवन नियम को लागू करने का फैसला लिया है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में उच्च स्तरीय बैठक हुई थी। इस बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए हैं। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि अभी जो स्थिति बनी हुई है, उससे पता चलता है कि आने वाले दिनों में हालात ठीक होंगे। क्योंकि अनुमान लगाया जा रहा है कि छह और सात तारीख को हवा की गति थोड़ी बढ़ेगी। जिसकी वजह से ये जो जमाव जम गया है, उसमें परिवर्तन होगा। ज्यादातर टीमों को फिल्ड में उतारा गया है। क्योंकि ज्यादातर प्रतिबंध गाड़ियों पर लगाए गए हैं। हवा में सुधार हुआ है। प्रदूषण कम करने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ इससे पहले दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण को देखते हुए रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ अभियान लागू किया था। बढ़ते एक्यूआई के बीच दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दिल्ली सचिवालय में सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ एक बैठक की थी। शहर में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए कई कदम उठाए जा रहे। दिल्ली में 13 प्रदूषण हॉटस्पॉट हैं। उन्होंने कहा कि यहां विशेष टीमों को तैनात किया जा रहा है। प्रदूषण की रोकथाम के लिए सरकार ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के अगले चरण को भी लागू कर दिया है। लेकिन फिर भी दिल्ली में प्रदूषण से राहत नहीं मिल रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली भर में वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में बनी हुई है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पहले चरण में बस्तर-दुर्ग से रण का आगाज

वेद विलास उनियाल

एक तरह से पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव का आगाज छत्तीसगढ़ के बस्तर व दुर्ग की बीस सीटों के चुनाव के साथ ही हो जाएगा। पांच राज्यों में छत्तीसगढ़ अकेला राज्य है जहां दो चरणों में चुनाव है। जहां राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में एक ही दिन में चुनाव संपन्न होने हैं, वहीं छत्तीसगढ़ में सुरक्षा कारणों से 90 सीटों का मतदान दो अलग-अलग चरणों में है। वैसे सात नवंबर को मिजोरम में भी मतदान होना है। लेकिन चुनाव का खास फोकस छत्तीसगढ़ के बस्तर दुर्ग के इलाकों में है। यहां बस्तर की बारह और दुर्ग क्षेत्र की आठ सीटों पर मतदान होना है। बस्तर के सुकमा, दंतेवाड़ा, बीजापुर, नारायणपुर व कांकेर नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र रहे हैं। लेकिन धीरे-धीरे इसका प्रभाव कम होता दिख रहा है। इसे इन क्षेत्रों में बढ़ते मतदान प्रतिशत से भी देखा जा सकता है। जहां 2003 में बस्तर क्षेत्र में 65 प्रतिशत मतदान हुआ था, वहां पिछली बार 2018 में यहीं मतदान 75 प्रतिशत हुआ है। नब्बे के दशक में चालीस-पैंतालीस प्रतिशत मतदान भी बहुत मान लिया जाता था।

छत्तीसगढ़ की नब्बे सीटों में बस्तर, दुर्ग की 20 सीटें आती हैं। बस्तर की बारह सीटों में 11 एसटी के तहत आती हैं। एक एसटी सीट दुर्ग की है। कहा यही जाता है कि छत्तीसगढ़ की सत्ता की चाबी बस्तर-दुर्ग से आती है। बस्तर दुर्ग का क्षेत्र अलग-अलग कारणों से हमेशा सुर्खियों में रहा है। सियासत में इसका महत्व रहा है। कभी बस्तर पर कांग्रेस का प्रभाव रहता था। फिर बीजेपी ने 2003 में इसमें सेंध लगाई। रमन सिंह के नेतृत्व में बीजेपी की सत्ता 15 साल बनी रही। एक बार फिर कांग्रेस ने इस चक्र को तोड़ा। छत्तीसगढ़ की सत्ता के साथ-साथ बस्तर दुर्ग में अपना प्रभाव बनाए रखने के लिए कांग्रेस-भाजपा में संघर्ष हो रहा है। बस्तर दुर्ग के इलाकों का सियासी महत्व इस बात पर भी है कि दुर्ग की राजनांदगांव की सीट पर बीजेपी नेता रमन सिंह चुनाव लड़ते हैं, वहीं चित्रकोट की प्रतिष्ठित सीट पर कांग्रेस ने अपने प्रदेश अध्यक्ष सांसद दीपक बैज को ही चुनाव में उतारा है। बस्तर-दुर्ग के इन इलाकों में आदिवासी दलित मतदाताओं की संख्या को देखते हुए यूपी से उतरी पार्टी बसपा भी अपनी संभावनाएं देखती है और यहां की स्थानीय क्षेत्रीय पार्टियों के साथ गठबंधन करके चुनाव

परिणामों को प्रभावित करने की कोशिश करती है। यही स्थिति आप पार्टी की भी है। वह भी इन क्षेत्रों को मथने का प्रयास कर रही है। बस्तर दुर्ग में जमीन, जंगल व कृषि के सवाल ही अहम रहे। सियासी दलों के गुणा-भाग भी इन्ही मुद्दों के आसपास रहे। बस्तर क्षेत्र में कांग्रेस का प्रभाव रहा। पहले जनसंघ और फिर आपातकाल के बाद बनी भाजपा ने अविभाजित मध्यप्रदेश के इन दुर्गों को ढहाने की बहुत कोशिश की। लेकिन बस्तर कांग्रेस के प्रभाव में रहा तो दुर्ग के किले अजित जोगी ने थामें रखे। इससे पहले लंबे समय तक दुर्ग की सियासत पर कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा का प्रभाव बना रहा। आखिर छत्तीसगढ़ बनने के बाद पहले चुनाव में बीजेपी ने बस्तर में कांग्रेस को पूरी तरह धराशायी कर यहां की सभी बारह सीटों पर जीत हासिल कर अपना परचम फहराया। बीजेपी को राज्य में जो 50 सीटें हासिल हुई थीं, उसमें एक-तिहाई से ज्यादा 15 सीटें इसी बस्तर-दुर्ग क्षेत्र से हासिल हुई थीं। डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में बीजेपी ने अगला विधानसभा चुनाव भी जीता। साथ ही बीजेपी के मत-प्रतिशत में भी बढ़ोतरी हुई। इस बार भी कांग्रेस नई बनी पंडरिया, खुज्जी, मोहला, मानपुर और कोंटा की सीट जीत सकी। लेकिन राजनादगांव की सीट रमन सिंह के सामने गंवा दी। वर्ष 2013 के चुनाव में डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में बीजेपी की हैट्रिक जरूर बनी। लेकिन कांग्रेस की चुनौती सामने आई। कांग्रेस ने बस्तर की आठ सीटें जीतीं। बीजेपी केवल चार सीट जीत सकी। भाजपा की दूसरे क्षेत्रों की सीटों के सहारे ही सरकार बनी। बीजेपी की सीटें लगभग पिछले आंकड़ों पर 49 बनी रहीं। 2018 में कांग्रेस ने 43 प्रतिशत मत लेकर 68 सीटें हासिल की। बीजेपी तब 15 में ही सिमट गई। कांग्रेस ने बस्तर की 12 में 11 सीटें हासिल कीं। बाद में उपचुनाव में कांग्रेस ने बारहवीं सीट भी हासिल कर ली।

दुर्ग और बस्तर के किले ढह गए। इसे इस बात से समझा जा सकता है कि सीएम रमन सिंह की राजनांदगांव और दंतेवाड़ा की सीट ही बीजेपी बचा सकी। दरअसल, छत्तीसगढ़ के इस क्षेत्र में बीजेपी के लिए जो परिणाम 2013 में आए थे, उस संकेत को बीजेपी समझ नहीं पाई। आदिवासियों में जो नाराजगी थी उसे बीजेपी ने साधने की कोशिश नहीं की। खासकर नौकरशाही के प्रति लोगों की शिकायत का चुनाव पर सीधा असर पड़ा। कांग्रेस अपने मुद्दों को ज्यादा ठोस तरीके से जनता तक ले गई।

आयातक से मोबाइल फोन निर्यातक बनने की ओर भारत

तीन दिन तक चलने वाले इस टेक इवेंट के 7वें संस्करण में 6जी, 5जी नेटवर्क सुधार, दूरसंचार और अन्य क्षेत्रों पर फोकस रहा। सम्मेलन में कहा गया कि हम 6जी तकनीक के क्षेत्र में अग्रणी बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। दरअसल, चाहे 6जी हो, एआई हो, साइबर सिक्योरिटी हो, सेमीकंडक्टर हो, ड्रोन हो, डीप सी हो, आने वाला समय बिल्कुल अलग होने वाला है। निःसंदेह यह सभी के लिए खुशी की बात है कि हमारी युवा पीढ़ी देश के भविष्य का नेतृत्व कर रही है।

डॉ. शशांक द्विवेदी

पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली में एशिया के सबसे बड़े टेक्नोलॉजी मंच, भारतीय मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) के सातवें संस्करण का उद्घाटन किया। आईएमसी एशिया का सबसे बड़ा दूरसंचार, मीडिया और प्रौद्योगिकी मंच है। यह आयोजन दूरसंचार और प्रौद्योगिकी में भारत की अविश्वसनीय प्रगति को रेखांकित करने, महत्वपूर्ण घोषणाएं करने तथा स्टार्ट-अप को अपने नए प्रोडक्ट्स और समाधानों को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करने के लिए एक मंच के रूप में काम करता है। आईएमसी 2023 में लगभग 22 देशों के एक लाख से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें लगभग 5000 सीईओ स्तर के प्रतिनिधि, 230 प्रस्तुतिकर्ता, 400 स्टार्टअप और अन्य हितधारक शामिल हुए।

तीन दिन तक चलने वाले इस टेक इवेंट के 7वें संस्करण में 6जी, 5जी नेटवर्क सुधार, दूरसंचार और अन्य क्षेत्रों पर फोकस रहा। सम्मेलन में कहा गया कि हम 6जी तकनीक के क्षेत्र में अग्रणी बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। दरअसल, चाहे 6जी हो, एआई हो, साइबर सिक्योरिटी हो, सेमीकंडक्टर हो, ड्रोन हो, डीप सी हो, आने वाला समय बिल्कुल अलग होने वाला है। निःसंदेह यह सभी के लिए खुशी की बात है कि हमारी युवा पीढ़ी देश के भविष्य का नेतृत्व कर रही है। 'इंडिया मोबाइल कांग्रेस' में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि कैसे भारत आयातक से मोबाइल फोन का निर्यातक बन गया है। साथ ही एप्पल, गूगल जैसी बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियां देश में मोबाइल मैन्युफैक्चरर बनने के लिए तैयार हैं। इस इवेंट में 6जी टेस्चबेड की लॉन्चिंग भी हो गई है। इस अवसर पर उन्होंने देश के 100 विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थान में 5जी एप विकास प्रयोगशालाओं का उद्घाटन किए जाने की घोषणा भी की । इन लैब्स में 5जी से जुड़ी तमाम टेक्नोलॉजी का टेस्ट होगा। देश के नागरिकों की पूंजी और संसाधनों के साथ प्रौद्योगिकी तक पहुंच प्रदान करना सरकार की प्राथमिकता है।

हाल ही में, गूगल ने भारत में अपने पिक्सल फोन के निर्माण की घोषणा की है। सैमसंग के फोल्ड 5 मोबाइल फोन और एप्पल के आई फोन 15 का निर्माण भारत में किया जा रहा है। दुनिया अब मेड इन इंडिया मोबाइल फोन का उपयोग कर रही है। देश दुनिया के शीर्ष 3 स्टार्टअप इकोसिस्टम में से एक बन गया है। भारत ने यूनिकॉर्न की एक सदी बना ली है और दुनिया के शीर्ष 3 स्टार्ट-अप इकोसिस्टम में से एक बन गए हैं। वर्ष 2014 से पहले भारत में महज कुछ 100 स्टार्ट-अप थे, लेकिन अब यह संख्या 1 लाख से ज्यादा हो गई है।

भारत में औसत मोबाइल ब्रॉडबैंड स्पीड पिछले साल में 3 गुना बढ़ गई है। मोबाइल ब्रॉडबैंड की स्पीड में जहां पहले हम 118वें स्थान पर थे, आज हम 43वें स्थान पर पहुंच गए हैं। रैंकिंग और संख्या से परे इंटरनेट कनेक्टिविटी और स्पीड में सुधार से जीवन सुलभ बनता है। 21वीं शताब्दी का यह कालखंड भारत की थॉट लीडरशिप का समय है। हम कुछ क्षेत्रों में थॉट लीडर बने हैं, जैसे यूपीआई हमारी थॉट लीडरशिप नयी सोच का परिणाम है। देश आज डिजिटल भुगतान प्रणाली में पूरी दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। इसी तरह कोविड महामारी के समय में टीकाकरण के लिए कोविन ने निर्णायक भूमिका निभाई। एशिया के सबसे बड़े टेक्नोलॉजी मंच पर एआई एप्लीकेशन, एज कंप्यूटिंग, इंडस्ट्री 4.0 और इंडिया स्टैक को लेकर भी नई जानकारी मिली। साथ ही आईएमसी 2023 में ब्रॉडकास्ट, सैटेलाइट कम्युनिकेशन, मैन्युफैक्चरिंग और सेमीकंडक्टर जैसे संबंधित टेक्नोलॉजी डोमेन के विस्तार को शोकेस किया गया।

वास्तव में आईएमसी का मुख्य उद्देश्य भारत को एक टेक्नोलॉजी डेवलपर, दूरसंचार निर्माता और निर्यातक के रूप में स्थापित करना है। इस बार आईएमसी की थीम ग्लोबल डिजिटल इनोवेशन रही, जिसमें ड्रोन, सैटेलाइट कम्युनिकेशन, मोबाइल मैन्युफेक्चरर, साइबर सुरक्षा स्टार्टअप आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। इंटरनेट प्रौद्योगिकी पर बढ़ती निर्भरता के वर्तमान दौर में साइबर और इन्फ्रास्ट्रक्चर सिक्योरिटी के महत्व को देखते हुए साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नेटवर्क उपकरणों के मामले में आत्मनिर्भरता बहुत जरूरी है। भारत को एक टेक्नोलॉजी पावरहाउस के रूप में स्थापित करने की दिशा में काम करना चाहिए और आईएमसी इस दृष्टि में एक प्रमुख भूमिका निभा सकता है। सबसे पहले इंडिया मोबाइल कांग्रेस का आयोजन साल 2017 में किया गया था। बीते छह सालों से यह इवेंट भारत की ग्लोबल उपस्थिति को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसने इंडस्ट्री के लीडर्स के लिए डिजिटल इनोवेशन के भविष्य को आकार देने के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान बनाने में भी मदद की है।

ब्लड सुगर कंट्रोल करने के लिए करें ये ड्रिंक्स

भारत में डायबिटीज अपने चरम पर है। अगर आपको डायबिटीज है, तो आपको अपने दिन की शुरुआत हेल्दी मॉर्निंग ड्रिंक से करनी चाहिए। सुबह सुबह खाली पेट इन्हें पीने से ब्लड शुगर लेवल हमेशा कंट्रोल रहता है।

डायबिटीज एक लाइफस्टाइल डिजीज है। 2021 की एक स्टडी बताती है कि भारत में 101 मिलियन लोग डायबिटीज से और 136 मिलियन लोग प्री-डायबिटीज से पीड़ित हैं। बता दें कि डायबिटीज एक लाइलाज बीमारी है। इसे जड़ से खत्म नहीं किया जा सकता, लेकिन इसे कंट्रोल कर सकते हैं। यही वजह है कि डायबिटीज वालों को हर पल अपने ब्लड शुगर लेवल का ध्यान रखना पड़ता है। अगर आपको भी डायबिटीज है, तो आप कुछ इस तरह की ड्रिंक का सेवन करके डायबिटीज को लंबे समय तक नियंत्रित कर सकते हैं।

एलोवेरा जूस

करेले की तरह एलोवेरा भी बेहद कड़वा होता है। लेकिन इसकी मदद से डायबिटीज को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। दरअसल, एलोवेरा में मौजूद पोषक तत्व मैग्नीशियम और इंसुलिन को बूस्ट करने का काम करते हैं। इसके अलावा यह ब्लड में ग्लूकोज लेवल को भी संतुलित रखने में पूरी मदद करता है। सुबह खाली पेट थोड़ी मात्रा में एलोवेरा जूस पीने से ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित किया जा सकता है। खाली पेट एलोवेरा जूस पीने से पाचन तंत्र एकदम अच्छा रहता है। साथ ही यह खाने के पचाने में मदद करता है। एलोवेरा के पौधे में जरूरी एंजाइम होते हैं जो फैट को कंट्रोल करती है. जिसके कारण पाचन क्रिया अच्छा होता है। एलोवेरा जूस एक तरह से गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल के साथ-साथ एसिड रिफ्लक्स, ब्लोटिंग और कब्ज की परेशानी को दूर करता है।

करेले का जूस

वैसे तो करेला बहुत कड़वा होता है। इसके स्वाद के कारण बहुत कम लोग इसे खाना पसंद करते हैं। लेकिन ब्लड शुगर लेवल को कम करने की बात हो, तो करेले का जूस बहुत असरदार होता है। दरअसल, इसमें एंटी डायबिटिक गुण पाए जाते हैं। साथ ही इसमें पॉलीपेप्टाइड पी भी होता है , जो नेचुरल तरीके से डायबिटीज को कंट्रोल करता है। खासतौर से अगर इसे सुबह खाली पेट लिया जाए, तो यह अच्छे परिणाम दे सकता है। करेले का जूस कैंसर पथरी किडनी की पथरी निकालने में भी सहायक है। इसके अलावा यह स्किन संबंधी बीमारियों, उल्टी, दस्त, गैस की समस्या, पीलिया, गठिया और मुंह के छालों में भी आराम करता है। करेले का जूस आंखों के लिए भी फायदेमंद माना गया है। इसमें बीटा-कैरोटिन होता है जो आंखों से संबंधित बीमारियों को दूर रखता है और रोशनी बढ़ाने में भी मदद करता है।

दालचीनी की चाय

दालचीनी हमारी किचन का एक जरूरी मसाला है, जिसका उपयोग खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए होता है। इतना ही नहीं दालचीनी की चाय डायबिटीज वालों के लिए वरदान है। दरअसल, इसमें मौजूद फ्लेवेनॉइड, एंटीऑक्सीडेंट और एंटीवायरल गुण डायबिटीज को कंट्रोल करने में कारगर हैं। मेथी पानी आपके शरीर से हानिकारक विषाक्त पदार्थों को खत्म करने और अच्छे बावेल मुवमेन्ट्स में सहायता करने के लिए एक प्रभावी उपाय है। इसके अलावा, यह अपच और कब्ज जैसी पाचन समस्याओं को ठीक करने में भी मदद करता है।

नींबू और गर्म पानी

अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं, तो सुबह खाली पेट गर्म पानी में नींबू मिलाकर पीने से बहुत फायदा होगा। रोजाना ऐसा करने से शरीर में मौजूद विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाएंगे और पूरी बॉडी डिटॉक्स हो जाएगी। इतना ही नहीं इस ड्रिंक को पीने से वजन को मैनेज करने में बहुत मदद मिलती है। रोज गुनगुने पानी में नींबू और शहद मिलाकर पीने से आपका पाचन तंत्र अच्छा रहेगा। शहद में ऐंटीसेप्टिक गुण होते हैं जिससे आपका पेट साफ रहता है और खाना आसानी से पच जाता है।

मेथी का पानी

आमतौर पर लोग वजन घटाने के लिए मेथी का पानी पीते हैं। लेकिन डायबिटीज वालों को भी इसका सेवन करने की सलाह दी जाती है। क्योंकि मेथी के बीज घुलनशील फाइबर से भरपूर हैं, जो ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। इसके लिए आपको एक मुट्ठी मेथी के दानों को रात भर पानी में भिगोकर रखना होगा। सबुह इस पानी को छानकर पी लें। ब्लड शुगर लेवल नियंत्रित रहेगा।

आंवले का जूस

आंवला विटामिन सी से भरपूर है। आंवले में एंटी ऑक्सीडेंट बहुत अच्छी मात्रा में होता है, जो ऑक्सीडेटिव को कम करता है। इसका जूस पीने से ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस कम होता है, जिससे ब्लड शुगर हमेशा कंट्रोल रहती है।

तुलसी की चाय

तुलसी की पत्तियों की चाय डायबिटीज वालों के लिए बहुत फायदेमंद मानी गई हे। इसमें एंटी डायबिटिक गुण होते हैं। इसलिए अगर डायबिटिज का मरीज रोज सुबह खाली पेट तुलसी की चाय पिए, तो ब्लड शुगर लेवल कभी भी गड़बड़ाता नहीं है।

हंसना मना है

1 छोटा बच्चा रोड पर पोट्टी कर रहा था, पुलिस ने उसे पकड़ लिया, जब उसे ले जाने लगे तो बच्चा बोला, ओ कानून के रखवालो, सबूत तो ऊठा लो।

किसी लड़की को छेड़ो, उसका हाथ पकड़ो, अगर वो थप्पड़ मारे, तो कहो-तुम पहले इम्तिहान में पास हो गई। मुझे ऐसी ही शरीफ लड़की चाहिए थी!

प्रेमी अपने प्रेमिका की जुल्फों में ऐसा खोया की, बेहोश हो गया..जब होश में आया तो रोमांटिक हो कर पूछा,जानु! नहाती नहीं हो क्या?

सरदार ने सर्दी में एसी लगवाया, किसीने पूछा- इतनी सर्दी में एसी? सरदार- ओये मैंने उल्टा लगवाया, गरम हवा अंदर और ठंडी हवा बाहर जायेगी!

आदमी भगवान से-जमीन से आसमान तक रोड बना दो, भगवान- असंभव कुछ और मांगो, आदमी- वाईफ को आज्ञाकारी और अकल्मन्द बना दो! भगवान- रोड सिंगल बनाउ या डबल?

पिताजी- बेटा, मेरे लिए 1 ग्लास पानी लाना, लड़का- नहीं लाऊंगा, दूसरा लड़का - रहने दो पापा, ये तो है ही बत्तमीज, आप खुद लेलो, और मेरे लिए भी 1 ग्लास ले आना!

कहानी | सच्चे देशभक्त की निष्ठा

94 साल के एक बूढ़े व्यक्ति को मालिक ने किराया न दे पर मकान से निकाल दिया। बूढ़े के पास एक पुराना बिस्तर, कुछ एल्युमीनियम के बर्तन, एक प्लास्टिक की बाल्टी और एक मग आदि के अलावा शायद ही कोई सामान था। बूढ़े ने मालिक से किराया देने के लिए कुछ समय देने का अनुरोध किया। पड़ोसियों को भी बूढ़े आदमी पर दया आयी, और उन्होंने मालिक को किराए का भुगतान करने के लिए कुछ समय देने के लिए मना लिया। मालिक ने अनिच्छा से ही उसे किराया देने के लिए कुछ समय दिया। रास्ते से गुजर रहे एक पत्रकार ने रुक कर यह सारा नजारा देखा। उसने मामले को समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए शीर्षक क्रूर मकान मालिक रखा, फिर उसने बूढ़े की और घर की कुछ तस्वीरें भी ले लीं। प्रेस के मालिक ने तस्वीरों को देखा और हैरान रह गए। उन्होंने पत्रकार से पूछा, कि क्या वह उस बूढ़े आदमी को जानता है? पत्रकार ने कहा, नहीं। अगले दिन अखबार के पहले पन्ने पर बड़ी खबर छपी। शीर्षक था, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री गुलजारीलाल नंदा एक दयनीय जीवन जी रहे हैं। खबर में आगे लिखा था कि कैसे पूर्व प्रधानमंत्री किराया नहीं दे पा रहे थे और कैसे उन्हें घर से बाहर निकाल दिया गया था। टिप्पणी की थी कि आजकल फ्रेशर भी खूब पैसा कमा लेते हैं। जबकि एक व्यक्ति जो दो बार पूर्व प्रधानमंत्री रह चुका है और लंबे समय तक केंद्रीय मंत्री भी रहा है, उसके पास अपना खुद का घर भी नहीं। दरअसल गुलजारी लाल नंदा को स्वतंत्रता सेनानी होने के कारण रु. 500 प्रति माह भत्ता मिलता था। लेकिन उन्होंने यह कहते हुए इस पैसे को अस्वीकार किया था, कि उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों के भत्ते के लिए लड़ाई नहीं लड़ी। बाद में दोस्तों ने उसे यह स्वीकार करने के लिए विवश कर दिया, यह कहते हुए कि उनके पास आय का अन्य कोई स्रोत नहीं है। इसी पैसों से वह अपना किराया देकर गुजारा करते थे। अगले दिन वर्तमान प्रधानमंत्री ने मंत्रियों और अधिकारियों को वाहनों के बेड़े के साथ उनके घर भेजा। इतने वीआइपी वाहनों के बेड़े को देखकर मकान मालिक दंग रह गया। तब जाकर उसे पता चला कि उसके किराएदार, श्री गुलजारी लाल नंदा भारत के पूर्व प्रधान मंत्री थे। मकान मालिक अपने दुर्व्यवहार के लिए तुरंत गुलजारी लाल नंदा के चरणों पर झुक गया। अधिकारियों और वीआईपीयोंने गुलजारी लाल नंदा से सरकारी आवास और अन्य सुविधाएं को स्वीकार करने का अनुरोध किया। श्री गुलजारी ने इस बुढ़ापे में ऐसी सुविधाओं का क्या काम, और अंतिम श्वास तक वे एक सामान्य नागरिक की तरह, सच्चे देशभक्त ही नहीं सच्चे नागरिक बन कर ही रहते रहे थे। 1997 में सरकार ने उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष कारोबार में अनुकूल वातावरण रहेगा। घर व कार्यस्थल की गतिविधियों का केंद्र बिंदु रहेंगे। आप चीजों को उनके सही परिप्रेक्ष्य में देखते हैं व भ्रम की स्थिति पैदा नहीं होने देते।

वृषभ आज के दिन आपके कार्यक्षेत्र में कुछ व्यवधान आ सकते हैं, जिन्हें आप अपने पिताजी के सहयोग से सुलझाने में सफल रहेंगे। वहीं प्रेम जीवन में रंगीन माहौल रहेगा।

मिथुन आज का दिन महत्वपूर्ण रहने वाला है। सोशल मीडिया पर आपके नए दोस्त बनेंगे। जीवनसाथी के साथ घरेलू चीजों को खरीदने का प्लान बनाएंगे।

कर्क तनाव और दौड़-भाग वाला दिन रहेगा। ज्यादा काम करेंगे, लेकिन फायदा कम मिलेगा। आपकी आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर रह सकती है।

सिंह आज आप अपने मित्रों के साथ कहीं घूमने फिरने का भी प्लान बना सकते हैं। नौकरीपेशा जातकों के आज अपने अधिकारियों से संबंध अच्छे होंगे।

कन्या आज आपकी ऊर्जा का स्तर अच्छा रहेगा। बढ़ी हुए ऊर्जा के साथ आप कोई काम करेंगे तो कम समय में पूरा हो जाएगा। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

तुला मित्रों के साथ भेंट आनंददायी होगी। आज आपको संभलकर रहना होगा, क्योंकि लोग आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करने की पूरी कोशिश करेंगे।

वृश्चिक आज का दिन आप अपने कार्यक्षेत्र में कुछ परिवर्तन कर सकते हैं। आज आप अपने भाइयों के मार्गदर्शन से किसी कठिन से कठिन कार्य को आसानी से कर पाएंगे।

धनु आज लेख शास्त्र के व्यक्ति नौकरी में बदलाव करने का मन बनाएंगे। बेरोजगारों के लिए रोजगार के अच्छे अवसर सामने आएंगे।

मकर मकर राशि वाले परिश्रम से कार्यक्षेत्र में सफलता अर्जित करेंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा। किसी कामकाज में आपको ज्यादा टाइम लग सकता है।

कुम्भ आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहेगा। विधार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग में यदि कोई बाधा आ रही थी, तो भी कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल बनेगा।

मीन आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। माता-पिता का आर्शीवाद आपको मंजिल तक पहुंचाने में मदद करेगा। लोगों की राय आपके लिए कारगर साबित होगी।

बॉलीवुड | अप कमिंग

रवि तेजा की फिल्म ईगल का टीजर जारी

तेलुगु अभिनेता रवि तेजा अपनी आगामी फिल्म ईगल को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेता इस फिल्म में एक्शन अवतार में नजर आएंगे। वहीं, आज मेकर्स ने एक्शन थ्रिलर फिल्म ईगल का टीजर जारी का दिया है। बता दें कि सिनेमैटोग्राफर से निर्देशक बने कार्तिक गट्टमनेनी द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक जासूसी एक्शन फिल्म है। रवि तेजा इस फिल्म में अपने एक्शन अंदाज से दमखम दिखाएंगे। ईगल के टीजर की बात करें तो, वीडियो की शुरुआत सुनसान जगह से होती है। टीजर में रवि तेजा की आखों में जुनून और खून सवार दिखता है। टीजर में लगातार हमलों से सरकार द्वारा उस शख्स को खत्म करने का गुस्सा दिखाया जाता है, जो इन सभी हत्याओं के पीछे है। ईगल के इस टीजर में रवि तेज दमदार लुक में नजर आ रहे हैं। अभिनेता लुंगी और सिगार पीते हुए एक्शन करते दिख रहे हैं। कुछ मिनटों के टीजर में रवि तेजा का स्टाइल और एक्शन देख दर्शक फिल्म देखने के लिए उत्साहित हो गए है। ईगल के टीजर में रवि तेजा के अलावा अनुपमा परमेश्वरन, श्रीनिवास अवसारला, नवदीप और मधुबाला भी नजर आ रहे हैं। फैंस अभिनेता के अभिनय की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। बता दें कि रवि तेजा, कृति सेनन की बहन नुपुर सेनन के साथ टाइगर नागेश्वर राव में नजर आए थे। वामसी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रवि तेजा के अलावा अनुपम खेर और मुरली शर्मा के साथ-साथ नुपुर सेनन और गायत्री भारद्वाज नजर आएं। वहीं, ईगल में दर्शकों को रवि तेजा और अनुपमा परमेश्वरन की ऑन-स्क्रीन केमेस्ट्री काफी पसंद आ रही हैं। रवि तेजा के अलावा ईगल में अभिनेता नवदीप, श्रीनिवास अवसारला, मधुबाला, काव्या थापर भी नजर आने वाले हैं। फिल्म ईगल के लेखक कार्तिक घट्टमनेनी हैं। ईगल को 13 जनवरी 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

टाइगर 3 के दर्द भरे ट्रेनिंग सेशन को लेकर कटरीना बोलीं-

जोया ने कभी हार नहीं मानी

बॉलीवुड के भाईजान यानी सलमान खान अपनी आगामी फिल्म टाइगर 3 को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। सलमान खान हाल ही में, अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म टाइगर 3 का ट्रेलर लॉन्च होने के बाद से ही फैंस के बीच खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। फिल्म के पोस्टर से लेकर गाने तक को फैंस का खूब प्यार मिल रहा है। अब हाल ही में, फिल्म में जोया का किरदार निभाने वाली कटरीना कैफ ने बताया है कि टाइगर 3 का ट्रेनिंग सेशन कितना मुश्किल था।

बॉलीवुड | मसाला

हाल ही में, कटरीना कैफ ने टाइगर 3 से अपनी ट्रेनिंग की कुछ वीडियोज और तस्वीरें साझा की हैं। इस पोस्ट से उन्होंने फिल्म में एक्शन सीन फिल्माने के लिए कितनी कड़ी मेहनत की थी। कई बार वह थक गईं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। अभिनेत्री का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस पोस्ट को साझा करते हुए कटरीना ने लिखा,"जब टाइगर का समय आता है तो यह मेरे लिए मेरी लिमिट्स को पुश करना होता है, मेरी सहनशक्ति का टेस्ट करना और उस ताकत को खोजना है। किसी ने एक बार मुझसे कहा था, दर्द सिर्फ एक सेंसेशन है। इससे डरो मत, दर्द से भागो मत। कटरीना ने आगे लिखा, कई दिनों से मैं बहुत थकी हुई थी। इस बार मुझे मेहनत कर के काफी अलग महसूस हुआ है। मेरे शरीर में दर्द था, लेकिन मैं खुद से कहती थी कि इसे चैलेंज की तरह लो और देखो आज मैं इसका सामना कर सकती हूं। ट्रेनिंग के दौरान हमने एक ऑल्टर इगो क्रिएट किया। इसलिए भले ही मैं थक गई, लेकिन जोया के किरदार को थकने नहीं दिया था। बता दें कि दीवाली पर रिलीज होने वाली सलमान खान की एक्शन एंटरटेनर फिल्म टाइगर 3 को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से मंजूरी मिल गई है। बोर्ड से इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। सीबीएफसी ने जीरो कट के साथ मनीष शर्मा के निर्देशन में बनी इस फिल्म को मंजूरी दे दी है। सीन में कटौती नहीं की गई है, लेकिन इसके संवादों से बेवकूफ शब्द को मशरूफ और मूर्ख शब्द को व्यस्त करने के लिए कहा गया है।

माधुरी दीक्षित से मुलाकात के बाद शारवरी वाघ बोलीं- सच हुआ सपना

धक धक गर्ल माधुरी दीक्षित के चाहने वालों की कमी नहीं है। कोई उनके अभिनय का दीवाना है तो कोई खूबसूरती और डांस का। माधुरी दीक्षित की फैन लिस्ट में शारवरी वाघ का नाम भी शामिल है। अभिनेत्री शारवरी वाघ पहली बार यश राज फिल्म्स की बंटी और बबली 2 में नजर आई थीं। वह बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री हैं। हाल ही में शारवरी की मुलाकात माधुरी दीक्षित से हुई। शारवरी ने माधुरी दीक्षित की दिल खोलकर तारीफ की और साथ ही बताया कि वह बचपन से उनकी जबर्दस्त फैन रही हैं। इवेंट के दौरान शारवरी को माधुरी दीक्षित के साथ बैठने का मौका मिला। उन्होंने बताया कि वह बचपन से माधुरी दीक्षित की फैन रही हैं और उनकी फिल्में देखकर बड़ी हुई हैं। वह उन्हें अपना आदर्श मानती हैं। इतना ही नहीं, माधुरी दीक्षित के डांस से प्रभावित होकर ही उन्होंने अपनी कथक क्लास शुरू की थीं। शारवरी ने हाल ही में इवेंट में माधुरी दीक्षित से मुलाकात का अनुभव बताया। शारवरी ने कहा कि माधुरी दीक्षित परफेक्ट बॉलीवुड हीरोइन का एक उदाहरण हैं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैं उनकी फिल्में देखकर बड़ी हुई हैं और मैंने उनकी सभी फिल्में देखीं। मैं फिल्में देखने के बाद जब घर लौटती तो उनके गानों पर किए गए डांस के हर स्टेप को करने की कोशिश करती थी। शारवरी ने कहा कि जब उन्हें इवेंट में माधुरी दीक्षित के साथ बैठने का मौका मिला तो यह उनके लिए एक सपना सच होने जैसा था। सबसे मजेदार रहा मराठी में बात करना। शारवरी का कहना है कि माधुरी दीक्षित से सीखने के लिए काफी कुछ है। उन्होंने आगे कहा, मैंने काफी हिम्मत जुटाकर उनसे सेल्फी के लिए कहा। मेरे हाथ कांप रहे थे, हालांकि मैं मुस्कुरा रही थी।

मैंने काफी हिम्मत जुटाकर उनसे सेल्फी के लिए कहा

अजब-गजब | खूबसूरत होकर भी शापित है ये जगह!

न हैं दुकानें और न ही नौकरियां कोई आना भी नहीं चाहता यहां

दुनिया में आपने ऐसी कई जगहों से बारे में सुना होगा, जहां सब कुछ अच्छा होने के बाद भी लोग बसने से बचते हैं। यूनाइटेड किंगडम में भी एक ऐसी ही जगह है, जो देखने में भी अच्छी है और यहां का मौसम भी खराब नहीं है, फिर भी ये मानो शापित है। इसकी वजह ये है कि लोग इस जगह पर जाते तो हैं, लेकिन बसना नहीं चाहते। जो लोग यहां रहते भी थे, अब वो भी डर रहे हैं। इस वक्त हम जिस जगह की बात कर रहे हैं, वहां कभी लोग रहते थे, पर अब कोई टिकना नहीं चाहता। ऐसा नहीं है कि यहां किसी भूत-प्रेत का साया है, जो लोगों को टिकने नहीं दे रहा है। डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक यूनाइटेड किंगडम में मिडल्सरफ नाम की एक जगह है, जो भूतिया शहर बनकर रह गई है। यहां आपको सड़कें सुनसान मिलेंगी और दुकानें ढूंढने पर भी दिखाई नहीं देंगी।

टीसाइड में मौजूद मिडल्सरफ नाम के शहर के साथ अजीब ही परिस्थिति है। इस शहर को देखकर आपको ये सुंदर लगेगा लेकिन यहां हालात ये है कि लोग लगातार गरीब होते जा रहे हैं और निराश्रय के मामले में ये यूनाइटेड किंगडम ने निचले तीन शहरों की लिस्ट में है। यहां कोई रहना नहीं चाहता क्योंकि शहर में ज्यादातर अच्छी दुकानें बंद होती जा रही हैं और सड़क पर आपको ज्यादा लोग दिखाई नहीं देंगे। जो हैं भी, वो जाने की प्लानिंग में हैं क्योंकि यहां बिना जनसंख्या से उन्हें डर लगता है। यहां कभी रहने वाले पॉलिन बताते हैं कि सब कुछ बंद होता जा रहा है और यहां रहना काफी रिस्की है। ऐसे में वो यहां से चले गए और सिर्फ अपनी पोती को लेने के लिए आए हैं। एक स्टोर पर काम करने वाले दुकानदार जीन यंग और जून फॉसे का कहना है कि मिडल्सरफ एक घोस्ट टाउन बन चुका है। यहां दुकानें ही नहीं बची हैं। क्राइम लेवल बढ़ गया है क्योंकि किसी के पास रोज़गार नहीं है। The Joseph Rowntree Foundation के मुताबिक लोग यहां गर्म रहने, साफ रहने और खाने-पीने की भी जरूरत पूरी नहीं कर पा रहे।

इन खूबसूरत शहरों में रहते हैं भूत! लोगों का पीछा करते आते हैं नजर

दुनिया में एक से एक भूतिया शहरों के बारे में आपने सुना होगा। लेकिन हाल ही में शोधकर्ताओं की एक टीम ने ब्रिटेन के 10 भूतिया शहरों का खुलासा किया है। आप जानकर हैरान होंगे कि ये शहर काफी खूबसूरत हैं और लाखों लोग यहां रहते हैं। लेकिन रिसर्चर का दावा है कि यहां भूत अक्सर लोगों का पीछा करते, उन्हें दौड़ाते हुए और डराते हुए नजर आते हैं। कई लोगों ने इन्हें देखा भी है। कई शहरों के नाम सुनकर तो आप चौंक जाएंगे। मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, साइंटिस्ट की टीम ने भूतिया शहरों के बारे में जानने के लिए 1710 और 2021 के बीच प्रकाशित न्यूज़ पेपर का अध्ययन किया। देखा कि किस शहर के बारे में भूतिया या डरावनी घटनाएं ज्यादा प्रकाशित हुई हैं। किस शहर के बारे में सबसे ज्यादा आर्टिकल लिखे गए हैं। इन आंकड़ों को जनसंख्या के आधार पर बांटा गया। 70 मिलियन रिपोर्ट्स देखने के बाद रिसर्चर की टीम ने कैंब्रिजशायर के शहर एली को सबसे भूतिया शहर माना। पता चला कि यहां हर 100 लोगों में से 9 लोगों ने भूतों के बारे में डरावनी बातें की थीं। उन्हें भूतों का अनुभव हुआ था, जिसके बारे में खबरें छपीं। फैमिली हिस्ट्री वेबसाइट फाइंडमाइपास्ट के अनुसार डरहम, सैलिसबरी, यॉर्क और ऑक्सफोर्ड जैसे शहर टॉप 5 में हैं। आप जानकर हैरान होंगे कि ये सारे शहर बेहद खूबसूरत हैं और यहां लाखों लोग रहते हैं। लेकिन यहीं के लोग सबसे ज्यादा भूतिया कहानियों के बारे में बात करते हैं। रिसर्च टीम को लीड करने वाले जेन बाल्डविन ने कहा, डिकेंस से लेकर द वूमन इन ब्लैक तक ब्रिटेन में सदियों भूतों की कहानियां लोगों को अपनी ओर खींचती हैं। लेकिन एली वास्तव में असाधारण गतिविधि का केंद्र है। यहां अक्सर भूत नजर आ जाते हैं। यह देखना दिलचस्प था कि यह विषय वर्षों पहले और अब अखबारों में कैसे छपता था। द ओरिजिनल घोस्ट वॉक ऑफ यॉर्क चलाने वाले मार्क ग्राहम ने कहा, मैंने भूतों को देखा है। उनका आकार और छाया देखी है। मैं उस शहर में रहता था जहां बर्डन में पुराना अनाथालय था। कहा जाता है कि जिन अनाथ बच्चों के साथ दुर्व्यवहार किया गया था उनके भूत यहां रहते हैं। मैंने ये आवाजें कई बार सुनी हैं। हालांकि, मार्क इसका सबूत नहीं दे पाए।

'सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को मुफ्त में उद्योगपतियों को दे रही सरकार'

» मप्र में केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर बरसीं प्रियंका गांधी

» नोटबंदी और जीएसटी ने बढ़ाई देश में बेरोजगारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

धार, मध्य प्रदेश। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मध्य प्रदेश में सियासी हलचल काफी तेज। सभी राजनीतिक दलों के बड़े नेता लगातार प्रदेश के चक्कर लगा रहे हैं। इसी क्रम में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी एक बार फिर मध्य प्रदेश पहुंचीं। यहां आदिवासी बाहुल्य धार जिले के कुक्षी शहर में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रियंका ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। प्रियंका गांधी वाड्रा ने आरोप लगाया कि जीएसटी और नोटबंदी ने छोटे व्यापारियों तथा अन्य नागरिकों को गंभीर रूप से परेशान किया है। साथ ही उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए होने वाले मतदान से पहले लोगों से उनकी पार्टी के वादों और उनके कार्यान्वयन के बारे में जागरूकता का स्तर बढ़ाने का आग्रह किया।

चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रियंका ने उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए सरकारी इकाइयों (पीएसयू) के निजीकरण समेत सरकार की आर्थिक नीतियों के लिए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों को बंद कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप भयंकर बेरोजगारी हुई है। इसके बाद उन्होंने नोटबंदी लागू किया और फिर जीएसटी थोप दिया। जीएसटी ने छोटे व्यापारियों सहित सभी को परेशान किया है, जिसके कारण महंगाई बढ़ी है।

हर चीज पर जीएसटी लागू होने से छोटे व्यापारियों को होती है परेशानी

प्रियंका ने दावा किया कि जीएसटी हर चीज पर लागू है जिसके कारण छोटे व्यापारियों को बहुत समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसके कारण भारी महंगाई और बेरोजगारी हुई है। लोगों को हर चीज पर जीएसटी देना पड़ता है, यहां तक कि त्योहारों के दौरान छोटी-छोटी चीजों पर भी। केंद्र पर हमला करते हुए प्रियंका ने आरोप लगाया कि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को मुफ्त में उद्योगपतियों को दिया जा रहा है। चाहे वह भेल, रेलवे, हवाई अड्डे, बंदरगाह आदि ही क्यों न हों, इस कार्रवाई से देश में बेरोजगारी पैदा हो रही है। प्याज की बढ़ती कीमतों की ओर इशारा करते हुए कांग्रेस नेता ने भीड़ से कहा कि एक समय प्रधानमंत्री मोदी मजाक उड़ाते थे कि सचिन तेंदुलकर पहले शतक बनाएंगे या प्याज। उन्होंने प्रधानमंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि अब विराट और प्याज दोनों ने शतक बनाए हैं। अब आपको क्या कहना है।

क्या शिवराज सरकार ने 22 हजार में से 22 घोषणाएं भी कीं पूरी?

प्रियंका ने सवाल किया कि सरकार ने आगामी विधानसभा चुनावों के कारण एलपीजी सिलेंडर की कीमतें कम की हैं, लेकिन पिछले कई सालों से सत्ता में रहने के बावजूद उन्होंने पहले ऐसा नहीं किया। उन्होंने पूछा कि शिवराज सिंह चौहान सरकार ने अपने लंबे शासन के दौरान 22,000 से अधिक घोषणाएं की, लेकिन क्या उन्होंने उनमें से 22 को भी पूरा किया है। कांग्रेस महासचिव ने लोगों से मतदान से पहले जागरूकता का स्तर बढ़ाने और स्वयं यह देखने को कहा कि क्या अन्य राज्यों में कांग्रेस सरकारों ने महिलाओं को 1,500 रुपये प्रति माह, 500 रुपये में सिलेंडर और पुरानी पेंशन योजना को फिर से शुरू करने जैसी चुनावी गारंटी लागू की है।

एमपी में हर रोज 17 महिलाओं के साथ हो रहा दुष्कर्म

इस दौरान भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए प्रियंका ने कहा कि उज्जैन में एक बच्ची के साथ दुष्कर्म होता है। वो लोगों से मदद मांगती है, लेकिन कोई उसकी मदद नहीं करता। महिलाओं को संबोधित करते हुए प्रियंका ने कहा कि महिलाओं के साथ हर रोज अत्याचार हो रहा है। आपके प्रदेश में हर रोज 17 महिलाओं के साथ दुष्कर्म होता है। आरक्षण की बड़ी-बड़ी बातें हो रही हैं। लेकिन महिलाओं को सुरक्षा नहीं दे पा रहे हैं। अब आप समझिए आपका प्रदेश कहां पर है। 18 सालों से आपने देख लिया है। भ्रष्टाचार भुगत लिया, महंगाई भुगत ली। अब आपके सामने चुनाव है। आप चुनिए की क्या आपको फिर से इन्हें 5 साल देना है कि आप पर भ्रष्टाचार, अत्याचार, अपराध बढ़े? कांग्रेस नेत्री ने कहा कि मोदी जी लाखों के सूट पहनते हैं, जबकि देश का किसान एक दिन में 27 रुपए कमा रहा है। उन्होंने भीड़ से इन वादों के बारे में आश्वस्त होने के बाद आगामी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को वोट देने के लिए कहा।

सनातन धर्म पर मैंने जो कहा, उस पर अभी भी कायम: उदयनिधि

» बोले- कानूनी रूप से मामले का सामना करने को तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के युवा कल्याण मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म पर की गई अपनी टिप्पणी पर बयान देते हुए कहा कि मैंने जो कहा, उसमें कुछ भी गलत नहीं था। मैं कानूनी रूप से इस मामले का सामना करूंगा। मैं अपने रुख में कोई भी बदलाव नहीं लाने जा रहा हूं। मैंने केवल अपनी विचारधारा के बारे में बात की है।

तमिलनाडु हाईकोर्ट की उनके मामले को सुनते हुए की गई टिप्पणी के जिक्र पर उन्होंने ये प्रतिक्रिया दी। अदालत ने उदयनिधि की तरफ से दायर की गई याचिका में कहा था कि पुलिस ने अपनी ड्यूटी में लापरवाही की क्योंकि उसने उदयनिधि स्टालिन और हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के मंत्री पीके शेखरबाबू को उनके बयानों के आधार पर कोई कार्रवाई नहीं की।

शाह हमें ही फायदा पहुंचाने बिहार आते हैं: तेजस्वी

» बोले- हकबका गए हैं भाजपा के लोग

» पूरे देश में हो रही बिहार मॉडल की चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने गृहमंत्री अमित शाह पर करारा हमला बोला है। गृहमंत्री शाह पर निशाना साधते हुए तेजस्वी ने कहा कि वो हम ही को फायदा पहुंचाने आ रहे हैं। बार बार आएं। तेजस्वी ने कहा कि अमित शाह को क्या बोलना था और क्या बोल गए। ये लोग हकबका गए हैं। मीडिया के सवालों के जवाब में तेजस्वी ने कहा कि एक बात बताएं कि कहा जा रहा है कि जातिगत जनगणना में आंकड़े बढ़ा दिए गए और घटा दिए गए तो यह किस आधार पर बोल रहे हैं? अनुमान के मुताबिक बढ़ाया या घटाया किसी आधार पर न ये बात बोलेंगे? बढ़ाना होता तो नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री हैं, कुर्मी समाज का और नहीं बढ़वा देते?

हम क्यों दें इस्तीफा, केंद्र सरकार के लोग दें इस्तीफा : तेजस्वी

जातीय गणना में पिछड़ा-अतिपिछड़ा के आंकड़ों को घटा दिया जाने वाले अमित शाह के बयान पर तेजस्वी ने कहा कि शाह ने कहा कि यादवों की संख्या बढ़ा दी गई तो क्या यादव पिछड़ा नहीं हैं? डिप्टी सीएम ने कहा कि 1931 के आंकड़ों में 11 प्रतिशत यादव थे। यह तब था जब ओडिशा और झारखंड साथ में था। दोनों राज्यों के अलग होने के बाद और इतने दिनों के बाद देख लिया जाए कि कितना बढ़ा है। जहां तक मुस्लिम की बात है तो ये तो हर बार बढ़ता रहा है। इस सवाल पर कि बिहार विधानसभा में विपक्षी दलों ने जमकर हंगामा किया है। सरकार से इस्तीफे की मांग की है। कानून व्यवस्था और शिक्षक बहाली को लेकर घोटाले का आरोप लगाया गया है। इस पर तेजस्वी यादव ने कहा कि ये सब बेबुनियाद आरोप हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। रोज-रोज यही कहते हैं इस्तीफा दे दो। किस लिए इस्तीफा दे दें? लाखों में नौकरी बंट रही है। शिक्षा व्यवस्था सुधर रही है। अस्पताल की व्यवस्था सुधर रही है। कल्याणकारी योजनाएं आ रही हैं। जो बिहार कर रहा है उसकी देश में चर्चा हो रही है। इस्तीफा देना है तो भारत सरकार के लोग दें।

क्रिकेट के इतिहास में पहली बार 'टाइम आउट' हुआ कोई बल्लेबाज

» विश्वकप में श्रीलंका-बांग्लादेश के मैच में हुआ वाक्या

» लंकाई बल्लेबाज एंजेलो मैथ्यूज हुए इसका शिकार

» मुकाबले में बांग्लादेश ने लंका को 3 विकेट से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत की सरजमीं पर खेले जा रहे आईसीसी क्रिकेट विश्वकप में सोमवार को दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच मुकाबला खेला गया। इस मुकाबले में बांग्लादेश ने श्रीलंका को 3 विकेट से हराकर जीत हासिल की।

ये विश्वकप इतिहास में बांग्लादेश की श्रीलंका पर पहली जीत है। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 280 रनों का टारगेट सेट किया था। जवाब में बांग्लादेश ने 7 विकेट गंवाकर मैच जीत लिया। मैच के दौरान कुछ ऐसा हुआ जो क्रिकेट के इतिहास में पहली बार हुआ। इस मैच में श्रीलंकाई बल्लेबाज एंजेलो मैथ्यूज को अंपायर ने 'टाइम आउट' करार दिया। यह इंटरनेशनल क्रिकेट में पहली बार हुआ है, जब कोई प्लेयर इस तरह से टाइम आउट हुआ।

25वें ओवर में घटी अजीबोगरीब घटना

यह पूरा मामला श्रीलंकाई पारी के दौरान 25वें ओवर में हुआ। यह ओवर बांग्लादेश टीम के कप्तान और स्पिनर शाकिब अल हसन ने किया था। शाकिब ने दूसरी बॉल पर ही सदीरा समरविक्रमा को कैच आउट कराया। इसके बाद एंजेलो मैथ्यूज अगले बल्लेबाज के रूप में क्रीज पर आए। मगर इसी दौरान उनसे एक गड़बड़ हो गई। मैथ्यूज सही हेलमेट नहीं ला पाए थे। उन्होंने क्रीज पर आकर दूसरा हेलमेट लाने के लिए पवेलियन की ओर साथी खिलाड़ियों के लिए इशारा किया। मगर इसी बीच शाकिब ने मैदानी अंपायर से टाइम आउट की अपील कर दी। पहले तो मैदानी अंपायर को यह मजाक लगा, लेकिन शाकिब ने समझाया कि वो सच में अपील कर रहे हैं।

आउट होने पर उठा विवाद

दोनों मैदानी अंपायर ने आपस में बात करके मैथ्यूज को टाइम आउट करार दिया। इस तरह श्रीलंकाई टीम ने एक ही बॉल पर दो विकेट गंवा दिए। अंपायर के फैसले के बाद मैथ्यूज को निराश होकर बगैर बॉल खेले ही मैदान से बाहर जाना पड़ा। इंटरनेशनल क्रिकेट में ऐसा पहली बार हुआ है, जब कोई प्लेयर इस तरह टाइम आउट हुआ। तीनों ही फॉर्मेट में 146 साल के इतिहास में पहली बार कोई बल्लेबाज टाइम आउट हुआ है। हालांकि, मैथ्यूज के इस तरह से आउट होने पर विवाद भी उठ रहा है। अब बांग्लादेशी कप्तान शाकिब अल हसन को भी ट्रोल किया जा रहा है।

फोटो: सुमित कुमार

वेतन बढ़ोत्तरी को लेकर डायल-112 की महिला कर्मियों का प्रदर्शन जारी

सीएम आवास की तरफ कूच करने पर पुलिस ने हिरासत में लिया

» सोमवार दोपहर से धरने पर बैठी हैं छह सौ से अधिक आउटसोर्सिंग महिला कर्मचारी

पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कुछ ऐसा हो रहा है, जहां पुलिस ही पुलिस कर्मियों को हिरासत में ले रही है। तो वहीं प्रदेश की योगी सरकार के लिए भी मुश्किलें खड़ी हो रही हैं। क्योंकि राज्य में आए दिन सरकार के खिलाफ प्रदर्शन और धरने हो रहे हैं। दरअसल, शहर के अर्जुनगंज में शहीदपथ के पास पुलिस कंट्रोल रूम-112 मुख्यालय की छह सौ से अधिक आउटसोर्सिंग महिला कर्मचारी सोमवार दोपहर से धरने पर बैठी हैं और प्रदर्शन कर रही हैं। ये प्रदर्शन सैलरी में बढ़ोतरी की मांग को लेकर किया जा रहा है। ये महिला कर्मचारी इमरजेंसी रिस्पॉन्स सपोर्ट सिस्टम में कम्युनिकेशन अफसर के तौर तैनात हैं। महिला कर्मचारियों ने उन्हें नियुक्ति पत्र भी दिए जाने की मांग की और जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

दरअसल, ये प्रदर्शन सोमवार से ही जारी है। छह सौ से अधिक आउटसोर्सिंग महिला कर्मचारियों ने वेतन वृद्धि को लेकर सोमवार दोपहर से ही काम बंद कर दिया था। इससे तमाम जिलों की सेवाएं बाधित हो गईं। महिला कर्मचारी नारेबाजी करते हुए दफ्तर के बाहर धरने पर बैठ गईं। महिला कर्मियों ने पुलिस पर धक्का-मुक्की और लाठी चार्ज की धमकी देने आरोप लगाया है। इस बीच जब आज सुबह इन महिला प्रदर्शनकारियों ने सीएम आवास की ओर कूच किया, तो पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया और वहां से महिला सिपाहियों को हटाया गया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी प्रदर्शन कर रहीं डायल 112 की महिला कर्मियों का समर्थन करते हुए उनका मांग पत्र सोशल मीडिया साइट एक्स पर शेयर किया। अखिलेश ने कहा कि ये 'डॉयल 100' के किसी एक 'संवाद अधिकारी' का 'पीड़ा-पत्र' नहीं है बल्कि हर एक का है।

नई कंपनी इन कर्मचारियों को करना चाह रही बाहर

बता दें कि टेक महिंद्रा कंपनी ने उनका चयन किया था। पिछले सप्ताह टेक महिंद्रा कंपनी को बदलकर वी विन कंपनी को इसका टेंडर हो गया है। आरोप है कि नई कंपनी इन महिलाओं को बाहर करने की तैयारी कर रही है। कंपनी ने न तो वेतन दिया है और न ही नियुक्ति पत्र। कंपनी ने नई भर्ती भी शुरू कर दी है। इससे नाराज महिलाकर्मियों ने दोपहर दो बजे डायल 112 के पीछे गेट पर हंगामा शुरू कर दिया। भीड़ बढ़ने पर महिलाएं 112 मुख्यालय के मेन गेट पर पहुंच गईं। यहां रोड जाम कर धरने पर बैठ गईं। इन्हें मनाने डीसीपी, एडीसीपी व अन्य अफसर पहुंचे, लेकिन बात नहीं बनी।

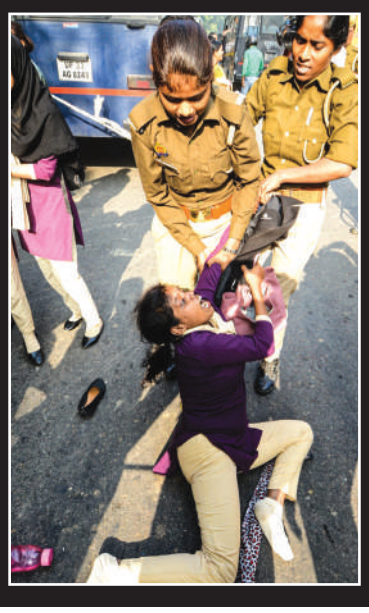

रात में बंद कर दी गई बिजली आपूर्ति, फिर भी डटी रहीं महिलाएं

प्रदर्शन देर रात तक चलता रहा। इसके बाद पीएसी भी तैनात कर दी गई। पुलिस कंट्रोल रूम मुख्यालय 112 की सेवाओं को संचालित करने के लिए कुछ महिला पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। इस दौरान आउटसोर्सिंग कर्मचारी की ओर से बताया गया कि सभी महिलाकर्मी सात वर्ष से डायल-112 में 11 हजार रुपये वेतन में आउटसोर्सिंग पर नौकरी कर रही थी। अधिकारियों द्वारा उनके वेतन में वृद्धि कर 18 हजार रुपये करने का दावा किया गया था। सालों बाद भी वेतन वृद्धि नहीं हुई। वेतन में वृद्धि की मांग की गई तो नौकरी से निकाले जाने की धमकी मिलने लगी। इससे आक्रोशित होकर वेतन वृद्धि की मांग को लेकर सभी धरने पर बैठी है। महिला कर्मियों ने बताया कि वह सात साल से टेक महिंद्रा कंपनी के माध्यम से 112 मुख्यालय का काम देख रही थीं। अब मुख्यालय ने वी-विन कंपनी को काम सौंप दिया है। वह सात साल से काम कर रही थीं जिसका मुख्यालय ने अबतक नियुक्तिपत्र नहीं दिया। यही नहीं रात में बिजली आपूर्ति बंद करने के बावजूद वह अपनी मांगों को पूरा कराने को लेकर अड़ी रहीं। जिसके बाद यूपी-112 की तरफ से बयान जारी किया गया है जिसमें कहा गया है कि यह प्रदर्शन नई सेवा प्रदाता कंपनी और महिला कर्मियों के बीच वेतन बढ़ाने को लेकर है। 31 अक्तूबर तक के वेतन का भुगतान किया जा चुका है।

डायल-112 की तरफ से जारी किया गया बयान

महिला कर्मियों के धरना-प्रदर्शन के मामले में डायल-112 की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि प्रदर्शन कर रही समस्त संवाद अधिकारियों (कॉल टेलर्स) को 31 अक्तूबर तक का वेतन तत्कालीन सेवा प्रदाता (एमडीएसएल/टेक महिंद्रा) कंपनी दे चुकी है। सभी संवाद अधिकारी आउटसोर्स पर है जो डायल -112 की पूर्व सेवा प्रदाता कंपनी के अधीन थीं। पूर्व सेवा प्रदाता का अनुबंध 2 नवंबर 2023 को समाप्त हो जाने के बाद नई सेवा प्रदाता (वी विन) कंपनी ने सेंटर संचालन का काम संभाला है। नई सेवा प्रदाता कंपनी इन आउटसोर्स कर्मियों को अपने रोल पर लेने की प्रक्रिया सीधे तौर पर कर रही है। यह प्रदर्शन नई सेवा प्रदाता एवं आउटसोर्स कर्मियों के मध्य वेतन बढ़ाने के संबंध में है। डायल- 112 की सेवाएं सुचारू रूप से जारी हैं। एक ओर डायल -112 का कहना है कि वेतन दिया जा चुका है। जबकि दूसरी ओर डायल-112 की महिला कर्मचारियों का कहना है कि उनकी सैलरी में बढ़ोतरी नहीं की गई है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।